IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 7, March 2024

'मिट्टी की सौगंध' में दलित समाज की सामाजिक और आर्थिक चुनौतियाँ

दिलीपकुमार के.परमार[1]
शोधार्थी, हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण (HNGU)[1]
डॉ. जे.एम.चौधरी[2]
शोध निर्देशक, हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण (HNGU)[2]
(श्रीमती सी.सी.महिला आर्ट्स & शेठ सी.एन कॉमर्स कॉलेज विसनगर)

सारांश: प्रेम कपाड़िया का उपन्यास *'मिट्टी की सौगंध'* दलित समाज के संघर्षों को उकेरता है, जहाँ सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का सामना करना उनकी दैनिक जीवन की सच्चाई है। इस शोध पत्र में उपन्यास में प्रस्तुत दलित समाज की उन कठिनाइयों का विश्लेषण किया गया है, जो उन्हें समाज की निचली सीढ़ियों पर रहने के कारण झेलनी पड़ती हैं। उपन्यास में चित्रित गरीबी, सामाजिक बहिष्कार, और आर्थिक शोषण जैसे मुद्दे दलित समाज की वास्तविकता को प्रकट करते हैं।

मुख्य शब्द: दलित समाज, आर्थिक चुनौतियाँ, सामाजिक असमानता, गरीबी, शोषण